अध्यक्ष की कलम से

Sunil Vaish

सम्मानित साथियों,

आप सभी को 2018 नव वर्ष के प्रथम माह में हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। परमेश्वर से सम्पूर्ण एम0एस0एम0ई0 परिवार के उज्जवल भविश्य की कामना करता हूँ इस देश की आर्थिक उन्नति में एम0एस0एम0ई0 जो योगदान दे रहा है वह सर्वविदित है आशा करता हूँ कि वर्ष 2018 में रोजगार, उत्पादन, निर्यात एवं राजस्व में यह सेक्टर पहले से कही अधिक योगदान देकर भारत में विश्व की सबसे तेज प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था बनाने में सहायक साबित होगा।

एम0एस0एम0ई0डी0 एक्ट 2006 के सेक्सन 7 में वर्णित माइक्रो, स्माल एवं मिडियम उद्योग की परिभाषा में जो पूर्व में प्लाण्ट एवं मशीनरी के निवेश के आधार पर परिभाषित थी अब एनुयल टर्नओवर के माध्यम से वर्गीकृत होगी जैसे माइक्रो सेक्टर में 5 करोड़ सालाना कारोबार, स्माल सेक्टर में 5 करोड से 75 करोड़ एवं मिडियम सेक्टर में 75 करोड़ से 250 करोड़ के टर्नओवर से चिन्हित होगी। इस नई परिभाषा से एम0एस0एम0ई0 सेक्टर में औद्योगिक इकाईयों में इजाफा होगा और अब यह भारत के जी0डी0पी0 में 8 प्रतिशत के बजाय कही अधिक योगदान देने वाला सेक्टर बन जायेगा इससे एम0एस0एम0ई0 की महत्ता मे अभूतपूर्व वृद्वि होगी। केन्द्रीय बजट मे 250 करोड़ तक की टर्नओवर के एम0एस0एम0ई0 को कारपोरेट टैक्स में 5 प्रतिशत की कटौती से लागत घटाने में सहायता मिलगी। इस क्रॉतिकारी बदलाव से एम0एस0एम0ई0 को छूट/अनुदान का दायरा और विस्तृत होने का अनुमान है।

इकोनॉमिक सर्वे 2017–18 के अनुसार कुल क्रेडिट डिस्बर्समेंट(नवम्बर 2017 तक) 26,041 बिलियन रू0 है जिसमें लार्ज स्केल को 82.6 प्रतिशत और एम0एस0एम0ई0 की मात्र 17.4 प्रतिशत है यह इंगित करता है कि अभी भी इस सेक्टर को ऋण प्रगति में वित्तीय संस्थानों की वरीयता नही मिलती है जिससे इस सेक्टर को पूँजी प्रगति में अभी भी संकट का सामना करना पड़ता है कुल एन0पी0ए0 का 11.8 प्रतिशत ही एम0एस0एम0ई0 का हिस्सा है जो करीव 80,000 करोड़ रूपये है यह बताता है कि एन0पी0ए0 में अपेक्षाकृत एम0एस0एम0ई0 की हिस्सेदारी लार्ज सेक्टर से कम है। अभी भारत सरकार द्वारा एन0पी0ए0 की सीमा 90 दिनों से बढ़ाकर 180 दिन करने का हम सभी स्वागत करते है इससे एन0पी0ए0 में और कमी आयेगी। वित्तीय संस्थानों द्वारा स्ट्रेस्ड लोन एकाउण्ट में पुनरूद्वार के बारे में भी सहानुभूति पूर्ण रवैये अपनाने की जरूरत है। यदि वित्तीय संस्थान मदद करे तो काफी हद तक औद्योगिक रूग्णता को कम किया जा सकता है। नये निवेश के अतिरिक्त हम रूग्णता को बचा सके तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।

फरवरी 23, 24 एवं 25 को आई0आई0ए0 द्वारा ए0आई0एस0 एस0–2018(ऑल इण्डिया सोलर सम्मिट) का आयोजन किया जा रहा है इस बार यह नार्थ इण्डिया के अलावा ऑल इण्डिया के नाम से जाना जा रहा है। इस पॉचवे संस्करण में यह एक राष्ट्रव्यापी आयोजन बन चुका है काफी संख्या में पूरे भारत से एक्ज़िविटर एवं विजिटर आ रहे है यह सोलर एनर्जी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आयोजन साबित होने जा रहा है। इसके साथ–साथ 4 फूड प्रॉसेसिंग के सेमीनार क्रमशः लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी एवं गोरखपुर में फरवरी से मार्च के बीच आयोजन होने जा रहे है इस आयोजन से इस सेक्टर के उद्यमी कृषक, पेशेवर विशेषज्ञों एवं सरकारी तंत्र का समागम होगा जिससे इस विषय पर सकारात्मक प्रगति होगी।

अन्त में यू0पी0आई0एस0(उ0प्र0 इनवेस्टर सम्मिट–2018) की सफलता की कामना करता हूँ। 21 एवं 22 फरवरी को आयोजित इस महत्वाकॉक्षी प्रयास का लाभ उ0प्र0 के औद्योगिकरण में सहायक साबित होगा ऐसा मेरा विश्वास है परन्तु मैं पुनः कहना चाहूँगा कि व्यवस्था परिवर्तन /भ्रष्टाचार को काबू किये बिना यह प्रयास कही असफल न हो जाये। निवेश का एम0ओ0यू0 पहला चरण है लेकिन उद्योग स्थापित करने में यह कारण मौजूद रहेगे तो बाहर के उद्यमियों का उ0प्र0 से मोहभंग न हो जाये इसका सरकार को ध्यान रखना होगा।

अतः में आप सभी को नव वर्ष में अपार सफलता, स्वास्थ्य, यश, कीर्ति एवं समृद्वि की कामना से प्रणाम करता हूँ।